मेरा नाम विनिता खत्री है, जाति से सिंधी हूं. जैसा कि सब जगह फेमस है कि सिंधी लड़कियां काफी सुंदर और बदन सांचे मे ढला होता है, मै भी इससे अछूती नही हूं. एक जोरदार माल की सारी खूबियां है मुझमे. पर जिन खूबियों मे उभार आया है वो मेरा फिगर ही है. शादी से पहले मेरा एक बायफ्रेंड था, मेरे घर से काफी दूर रहता था, पर घर आना जाना था. और घर मे अच्छी पकड़ भी थी सो मम्मी पापा का मेरे उसके साथ जाना कभी संदेह के घेरे मे नही आया. बायफ्रेंड था तो सेक्स तो होना ही था तो शादी से पहले उसने मुझे शादी के वायदे करके मेरे बदन का अच्छे से इस्तेमाल किया. उसका शादी का मन तो था नही तो समय बीतने के साथ उसने मुझसे किनारा कर लिया. परिणाम ये हुआ कि मेरे बदन मे काफी विकास हो गया. स्तन, चुत्तड़ और जांघे काफी चौड़ी हो गई. किसी को शक इसलिए नही हुआ कि मेरे घर मे ज्यादातर लड़कियो की शारीरिक बनावट कुछ ऐसी ही है, तो सब को ये अनुवांशिक गुण लगा. उसके अलग होने के बाद मुझे सेक्स की भूख तो लगती ही थी सो मैने दो तीन बायफ्रेंड और बना लिये पर सब ने ज्यादातर मेरे स्तनो को सहलाया, चुत मे उंगली डाली या किस किया, किसी को मुझे पूरी तरह से इस्तेमाल करने का मौका नही मिला.

किसी शादी के फंक्शन मे किसी ने मुझे दे और शादी का प्रपोजल भिजवाया और मां ने हां कर दी. और थोड़े दिनो मे हमारी शादी हो गई. शादी की पहली रात ही मैने पूरी नौटंकी करके ये साबित कर दिया की मै एक कुंवारी कली हूं और पहली बार सब कुछ कर रही हूं. मेरे हस्बैंड को यकीन हो भी गया. मेरे हस्बैंड थोड़े अलग तरह के आदमी है, मेरा सेक्सी ड्रेस, डीप नेक आदि पहनना उन्हे बहुत अच्छा लगता है. एक शनिवार को एडेल्ट मूवी देखने के लिए हम सिनेमा हाल जाते थे. और मूवी से आने के बाद मेरी जबरदस्त चुदाई करते थे.

एक शनिवार को सुबह ही बोल दिये की तैयार रहना मूवी जाना है, आम तौर पर हम शाम का शो देखते है सो मै तैयार होकर बैठ गई. पर शाम तक ये घर नही आये और देखते ही देखते रात हो गई. रात को फोन आया कि रात का शो देखने चलेंगे. आम तौर पर हम रात का शो देखने नही जाते पर जब ये खुद बोले तो मै तैयार होने लगी. मै जब कपड़े पहन रही थी तो अचानक दिमाग मे आया कि रात के शो मे कम लोग होंगे, तो शायद मेरे हस्बैंड हॉल मे ही शुरू हो जायें इसलिए मैने बहुत सोच समझ कर बिना ब्रा और पैंटी के कपड़े पहन लिए. एक पार्दर्शी शाड़ी, स्लीवलैस और डीप गले का ब्लाऊज. वैसे ज्यादा तेज चलने से ये साफ पता चल रहा था कि मैने ब्रा नही पहनी है. मेरे स्तन मेरी चाल के साथ कथ्थक करते थे. मेरे हस्बैंड कार लेकर आये और हम लोग हॉल की तरफ चल दिये. टिकट लेते टाईम मैने ध्यान दिया तो पता चला कि मेरे हस्बैंड काफी थके थके दिख रहे थे. हम हॉल मे घुसे तो देखा हॉल खचाखच भरा था बस लड़कियां कम थी. हमारे अंदर घुसते ही लाईट्स बंद हो गई और हम अपने सीट

पर बैठ गये. अभी दो मिनट भी नही बीता होगा जब मैने मेरे हस्बैंड को देखा जो आराम से सो गये थे. मुझे गुस्सा आ रहा था कि जब पिक्चर देखना नही था तो लेकर क्यों आये थे. और मैने ब्रा नही पहनी है रास्ते मे इतने लोगो ने नोटिस किया पर इन्होने नोटिस नही किया, मै मूवी देखने मे व्यस्त हो गई. लगभग ३० मिनट बाद एक गरमा गरम गाना शुरू हुआ, मै गाना देखने मे व्यस्त थी जब साड़ी के उपर से किसी ने मेरी जांघो को सहलाना शुरू कर दिया. मैने पलट कर देखा तो एक ३५-४० साल के आदमी जो मेरे बगल मे बैठा था वो ये हरकत कर रहा था. मैने उसका हाथ परे हटा दिया. दो मिनट तक तो ठीक था पर उसने फिर अपना हाथ मेरे जांघो पर रख लिया. मैने फिर हटा दिया और कुछ देर रूक कर उसने फिर हाथ रख दिया. मैने उसे धीरे से कहा, "क्या कर रहे है आप? अपना हाथ हटाईये." उसने भी धीरे से कहा, "क्यों मजा नही आ रहा है क्या?" मैने कहा, "हाथ हटाईये नही तो मै शोर मचा दूंगी." उसने कहा, "मचा दे, मै बोल दूंगा कि इसने खुद ही ये सब करने को कहा था. मेरा क्या है तेरी बात लोग मान लेंगे तो मुझे थोड़ी मार पड़ेगी और नही मानेगे तो सोच तेरी कितनी बदनामी होगी." मै सोच मे पड़ गई, बोल तो सही रहा था. मेरे सोचने को उसने मेरी रजामंदी समझी और मेरी जांघो को फिर से सहलाने लगा. मैने फिर उसका हाथ पकड़ लिया पर इस बार मेरी पकड़ इतनी मजबूत नही थी. वो लगातार साड़ी के उपर से मेरी जांघो को सहला रहा था, और मेरी चुत पानी छोड़े जा रही थी.

थोड़ी देर मे उसने हाथ हटा लिया, मैने सोचा की उसका दिल भर गया होगा और चैन की सांस ली. तभी उसने मेरा पल्लू खीचना शुरू किया और जब तक मै कुछ समझ पाती पल्लू मेरी गोद मे था. उसने दोनो हाथो से मेरे ब्लाऊज के बटन खोलना शुरू किया. मैने उसका हाथ पकड़ लिया और कहा, "क्या कर रहे हो?" उसने कहा, "मजे कर रहा हूं, हाथ छोड़, मुझे भी मजा करने दे और खुद भी मजे कर." मैने धीरे से उसका हाथ छोड़ दिया. उसने धीरे धीरे मेरे ब्लाऊज से सारे बटन खोल दिये. ब्लाऊज डीप नेक था सो थोड़ा सा कपड़ा ही स्तनो को सम्भाल कर रखा था, अलग होते ही मेरे स्तन नीचे लटक गये. उसने दोनो हाथो से मेरे स्तनो को थाम लिया और मसलने लगा. मुझे बहुत मजा आ रहा था पर अपनी आवाज दबा कर बैठी थी कि कहीं मेरे हस्बैंड न सुन ले. मै बीच बीच मे उनकी तरफ देखती भी थी कि सोये हुये है या नही. मै अपने होंठ दबा कर बैठी थी. अचानक उसने ऐसी हरकत की मै उछलने पर मजबूर हो गई. उसने अपना एक हाथ हटा लिया और मेरी साड़ी पेटीकोट समेट उठा कर, उसने अपनी एक उंगली मेरी चुत मे घुसा दी. मै लगभग सीट से उछल पड़ी, बड़ी मुश्किल से अपनी आवाज को दबाई. वो मेरी चुत मे उंगली अंदर बाहर करने लगा और मेरे बदन मे थरथराहट होने लगी. उसने अपना चेहरा मेरे पास लाया और मेरे होंठो को अपने होंठो से चूसने लगा. पान, गुटखा और शराब कि मिला जुला स्वाद मेरे

मुंह मे घुल गया. दो मिनट के बाद उसने मेरे होंठो को छोड़ा और मेरे कान मे कहा, "लण्ड बाहर निकाल कर रखा हूं, मुठ मार दें." मैने हाथ बढ़ा कर उसका लण्ड पकड़ लिया. लण्ड बहुत बड़ा था और बहुत मोटा भी. मेरे हस्बैंड और मेरे बायफ्रेंड का तो इसके सामने कुछ भी नही था. मैने उसका लण्ड हिलाना शुरू कर दिया. दो मिनट मे उसका लण्ड तन गया और उसने मेरी चुत मे उंगली तेजी से अंदर बाहर करने लगी. मेरा तन भी अकड़ने लगा और वो साथ में मेरे स्तनो को भी मसल रहा था. मैने अपनी आंखे बंद कर ली और १० मिनट तक उसके लण्ड को हिलाती रही. हम दोनो ने लगभग एक साथ पानी छोड़ दिया. गनीमत थी कि मेरी चुत का पानी सीधा नीचे गिरा न कि मेरे कपड़ो कर, उसका मै नही जानती. उसने अपने दोनो हाथ हटा लिये और पैंट का जिप बंद करने लगा. मैने भी अपनी साड़ी ठीक की और फिर ब्लाऊज के बटन ठीक करने लगी. तभी उस आदमी के मोबाईल मे घंटी बजी और दो तीन रिन्ग बजने के बाद कट गई. मैने अपना पल्लु सही किया और अपने हस्बैंड को देखा जो अभी भी सो रहे थे. तभी उस आदमी ने मेरा कन्धा थपथपाया. मैने उसकी तरफ देखा तो उसने मेरी तरफ कुछ बढ़ाया. मैने उससे वो चीज ले ली. देखा तो मेरा खुद का मोबाईल है. मैने उसकी तरफ देखा तो उसने कहा, "अपने नम्बर पर कॉल कर लिया हूं, फिर कभी फुर्स्सत से मिलते है तो तेरी चुत, गांड़ और मुह तीनो मारूंगा. कॉल करूंगा तो आ जाना, नही तो नम्बर का डिटेल निकाल कर मै खुद आ जाऊंगा." इतना बोल कर वो बाहर निकल गया. नम्बर मेरे मायके का था और मेरे मां के नाम पर था, अगर ये आदमी मेरी मां के पास पहुंच गया तो कयामत आ जायेगी. इन्टरवेल हो गया था, मेरा शो मे मन नही था सो मैने अपने हस्बैंड को उठाया और हम वापस घर आ गये.